कहाँ है मेरी माँ अम्बे | by Kundan Sonkar

बिरहा में मैं तो बिलख रहा हूँ
कहाँ है मेरी अम्बे.....
तू आजा मेरी माँ अम्बे .....

चारों और अँधेरा है, कछु नाही सूझे मोहे
देदे ज्योत नयन को मेरे देखूं मात मैं तोहे
बिरहा में मैं तो .....

द्वार तुम्हारे हम भी खड़े हैं खाली झोली लेकर
मन की मुरादें जो हैं यहाँ से जाएंगे हम लेकर
बिरहा में मैं तो .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%85%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ac%e0%a5%87-by-kundan-sonkar/